संक्षिप्त समाचार

फर्जी सीबीआई अफसर, रेप केस और 5 लाख की वसूली

नई दिल्ली, एजेंसी। पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जो सीबीआई अधिकारी बनकर लोगों के साथ जालसाजी करते थे। पुलिस ने उनसे 5 मोबाइल फोन और 2 डेबिट कार्ड बरामद किए हैं। आरोपियों के बैंक खातों को भी फ्रीज कर दिया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि सीबीआई अधिकारी बनकर एक परिवार से 5 लाख रुपये की ठगी करने वाले तीन साइबर जालसाजों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों की पहचान 28 साल के सतीश कुमार यादव, 34 साल के सुनील कुमार और 27 साल के शिवम के रूप में हुई है। तीनों को गुरुवार को गुरुग्राम से पकड़ा गया। दक्षिण दिल्ली के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया दक्षिणी दिल्ली के सीआर पार्क की एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके पति को एक व्यक्ति से एक मैसेज मिला। इसमें दावा किया गया कि वह सीबीआई इंस्पेक्टर है। जालसाज ने आरोप लगाया कि उनका बेटा रेप के मामले में शामिल था। जालसाज ने उसकी रिहाई के लिए 5 लाख रुपये की मांग की थी। अधिकारी ने कहा कि घबराहट में परिवार ने रकम ट्रांसफर कर दी। बाद में पता चला कि उनका बेटा सुरक्षित और निर्दोष है। मामले में केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। डीसीपी ने कहा कि पैसे के लेनदेन के विश्लेषण से पता चला कि धोखे से हासिल की गई रकम को पहचान से बचाने के लिए बीकानेर और जयपुर के कई बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया था। पुलिस टीम ने संदिग्धों का पता लगाया और उन्हें गुरुग्राम से पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपने अपराध कबूल कर लिए। पुलिस ने कहा कि यादव ने खच्चर खातों की व्यवस्था करके घोटाले को अंजाम दिया, जबकि कुमार और शिवम ने व्यक्तिगत खर्चों और क्रेडिट कार्ड भुगतान के लिए धन का इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनसे पांच मोबाइल फोन, दो डेबिट कार्ड बरामद किए हैं। आरोपियों के बैंक खातों में 2.11 लाख रुपये भी फ्रीज कर दिए गए हैं।

अस्पताल के टॉयलेट में महिला डॉक्टर का गंदा वीडियो बना रहा था युवक, तभी बज गई फोन की बेल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में द्वारका जिले के एक सरकारी अस्पताल में महिला टॉयलेट की खिड़की से एक युवक द्वारा अपने मोबाइल फोन में महिला डॉक्टर का अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। रंगे हाथ पकड़े गए आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन जब्त कर जांच के लिए भेज दिया है। गुरुवार को एक युवक जाफरपुर कलां स्थित राव तुलाराम मेमोरियल अस्पताल में महिला टॉयलेट की खिड़की से अपने फोन में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर का अश्लील वीडियो बना रहा था। उसकी इस हरकत का पता तब चला, जब वीडियो बनाने के दौरान अचानक आरोपी के मोबाइल फोन की घंटी बज गई और इसकी भनक अंदर मौजूद महिला डॉक्टर को लग गई। उसके बाद वहां मौजूद लोगों ने आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है। मोबाइल फोन की जांच के लिए उन्हें एफएसएल भेज दिया गया है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार दोपहर करीब 12:30 बजे जाफरपुर कलां थाना पुलिस को राव तुलाराम स्मारक अस्पताल से महिला टॉयलेट में वीडियो बनाने वाले को पकड़ने के बारे में पीसीआर कॉल मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस को मौके पर पहुंचने के बाद पता चला कि आरोपी टॉयलेट बाहर खड़ा होकर एक खिड़की से हाथ अंदर डालकर मोबाइल फोन से वीडियो बना रहा था। इसी दौरान उसके फोन की घंटी बज गई और शौचायल में मौजूद महिला ट्रेनी डॉक्टर को वीडियो बनाए जाने के बारे में पता चल गया। इसके बाद लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया और उसका फोन जब्त कर लिया। वहीं, दिल्ली के अशोक विहार में एक युवती की अश्लील फोटो किसी ने उसके भाई और दोस्तों को भेज दीं। पीड़िता ने उत्तर-पश्चिम जिला साइबर पुलिस स्टेशन में इसको लेकर शिकायत दी है। उसने एक युवक पर शक जताया है, जिससे उसकी शादी की बात चल रही थी, लेकिन किसी कारणवश युवती ने शादी से इनकार कर दिया। फेसबुक के जरिये ये फोटो भेजी गई हैं। फिलहाल पुलिस ने आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वीकेंड पर कोहरा करेगा परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की जहरीली और दमघोंटू हवा में सांस ले रहे दिल्लीवालों को फिलहाल प्रदूषण के कहर से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। राजधानी में शनिवार, 21 दिसंबर को वायु गुणवत्ता जहरीली रही, नेहरू नगर में औसत एक्यूआई चिंताजनक 434 अंक पर पहुंच गया, जो गंभीर श्रेणी में है। इसका मुख्य कारण पीएम 2.5 है। यह वह छोटे, खतरनाक कण हैं, जो फेफड़ों में गहराई तक जा सकते हैं और यहां तक कि रक्तप्रवाह में भी प्रवेश कर सकते हैं, जिससे गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा हो सकते हैं।

दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कुछ हिस्से शनिवार को धुंध की मोटी परत से ढके रहे। शहर भर में 36 निगरानी स्टेशनों में से 20 ने शनिवार को सुबह 8 बजे वायु गुणवत्ता को गंभीर श्रेणी में बताया। ये स्तर वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय गिरावट को दर्शाते हैं, जिसे बच्चों, बुजुर्गों और सांस या हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों जैसी संवेदनशील आबादी के जीवन के लिए खतरा माना जाता है। शुक्रवार को वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रही। वहीं 24 घंटे का औसत एक्यूआई 429 रहा। शनिवार सुबह 10 बजे नोएडा में एक्यूआई 247, ग्रेटर नोएडा में 219,

गाजियाबाद में 350, गुरुग्राम में 342 और फरीदाबाद 328 दर्ज किया गया। दिल्ली के द्वारका सेक्टर-8 में 410, पूसा में 400, एनएसआईटी द्वारका में 289, नॉर्थ कैंपस में 373, पंजाबी बाग में 406, आरके पुरम में 410, मुंडका में 421, मंदिर मार्ग में 380, श्री अरबिंदो मार्ग में 383, लोधी रोड में 357, वजीरपुर में 421, आईटीओ में 370, आया नगर में 350, रोहिणी में 422, नेहरू नगर में 430, आनंद विहार में 414 और अशोक विहार में 423 दर्ज किया गया। दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। सर्दियों में खराब वेंटिलेशन और हवा की कम गति के कारण और भी अधिक गंभीर हो जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और अधिकारियों ने लोगों को बाहरी गतिविधियों से बचने की सलाह दी है, खासतौर से बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को। दूसरी ओर मौसम विभाग ने वीकेंड पर घने कोहरे का अनुमान जताया है, जिससे विजिबिलिटी और खराब हो सकती है। वहीं वायु गुणवत्ता और खराब हो सकती है।

दिल्ली में बिना सीएम फेस के चुनाव में उतरेगी भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी।
भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव में बिना मुख्यमंत्री के चेहरे के मैदान में उतरेगी। पार्टी अपने उम्मीदवारों के नामों को इस माह के अंत तक अंतिम रूप देने की तैयारी में है। अभी पार्टी राज्य स्तर पर उम्मीदवारों के नाम पर विचार कर रही है। इसके बाद इन नामों को केंद्रीय चुनाव समिति के सामने लाया जाएगा। साथ ही चुनाव में भ्रष्टाचार और कुशासन के मुद्दे पर भाजपा आम आदमी पार्टी (आप) का घेराव करेगी।

फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। संसद सत्र समाप्त होने के बाद सभी प्रमुख दल इन चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। कांग्रेस और 'आप' ने तो अपने कई उम्मीदवारों के नामों की घोषणा भी कर दी है, जबकि भाजपा में अभी उम्मीदवारों के चयन की कवायद चल रही है। अभी भाजपा की प्रदेश चुनाव समिति सभी 70 विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों को लेकर रायशुमारी कर रही है। राज्य चुनाव समिति द्वारा अपनी सूची बनाए जाने के बाद इसको केंद्रीय चुनाव समिति के सामने लाया जाएगा।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि इस माह के अंत तक केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हो सकती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में केवल 70 सीटों के लिए ही चुनाव होने हैं इसलिए एक ही बैठक में सभी नाम पर विचार कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि भाजपा चुनाव में सामूहिक नेतृत्व में जाएगी और किसी एक चेहरे को बतौर मुख्यमंत्री पेश नहीं करेगी। भाजपा नई दिल्ली सीट पर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मजबूत उम्मीदवार उतारेगी। कांग्रेस ने इस सीट से संदीप दीक्षित को टिकट दिया है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को भ्रष्टाचार और कुशासन के मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करेगी। पार्टी अरविंद केजरीवाल के जेल जाने से लेकर कथित शराब घोटाले और उसके कई मंत्रियों के जेल जाने को भ्रष्टाचार से जोड़कर मुद्दा बनाएगी। इसके अलावा कुछ लोक लुभावन घोषणाएं भी कर सकती है, जिससे कि आम आदमी पार्टी द्वारा की गई घोषणाओं की काट की जा सके। भाजपा नेता ने कहा कि दिल्ली का माहौल अच्छा है और उसे पूरी उम्मीद है कि इस बार जनता भाजपा का समर्थन करेगी। ऐसे में पूरी रणनीति के साथ चुनाव मैदान में भाजपा उतर रही है।

दिल्ली में हथियारों संग दिखाया टशन तो होगा ऐक्शन, सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में अब जो लोग टशन दिखाने, अपराधियों से प्रभावित होकर, पड़ोस में डर, इलाके में दबदबा आदि बनाने के इरादे से सोशल मीडिया पर हथियार के साथ तस्वीर डालेंगे, उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी। दरअसल, जून में पुलिस ने ऑपरेशन फ्लश आउट शुरू किया था, जिसका मकसद लोगों, खासतौर से नाबालिगों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हथियार दिखाने की बढ़ती प्रवृत्ति से निपटना था। पिछले साढ़े चार महीनों में 55 लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई नाबालिग लड़कों को सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो और रील पोस्ट करने के आरोप में पकड़ा गया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने 35 अवैध हथियार, देशी और सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल और 11 ड्रैगन चाकू बरामद किए हैं। गिरफ्तारी और

आरोपियों को पकड़ने के अलावा, टीमों ने ज्यादा से ज्यादा संदिग्धों की पहचान करने के लिए वयस्कों और किशोरों के 10,000 से अधिक सोशल मीडिया प्रोफाइल को भी स्कैन किया है। पुलिस को कम से कम 600 ऐसे अकाउंट मिले हैं जिनमें आपत्तिजनक वीडियो, तस्वीरें और रील थे, जिनकी रिपोर्ट संबंधित सर्विस प्रोवाइडर को दी गई है। तीन दिसंबर को सोशल मीडिया पर एक 20 साल के युवक और एक नाबालिग लड़के की तस्वीरें सामने आईं, जिसमें वे दोनों देसी पिस्तौल लहराते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने दक्षिणी दिल्ली के साकेत के पास से उस व्यक्ति और नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया। दोनों ने कथित तौर पर कबूल किया कि वे वर्चस्व की छवि बनाने, अपने पड़ोस में लोगों को डराने और दिल्ली एवं आसपास के राज्यों में सक्रिय गिरोहों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहे थे। वे स्थानीय अपराधियों और गैंग-थीम वाली फिल्मों से प्रभावित थे।

पांच नवंबर को पुलिस ने दक्षिण दिल्ली के जैतपुर से दो भाइयों और उनके रिश्तेदारों को गिरफ्तार किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड किया था जो बाद में वायरल हो गया। दो पिस्तौल जैसे दिखने वाले हथियारों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस ने उन वस्तुओं को जब्त कर लिया, जो खिलौना बंदूकें निकलीं। इन्हें तीनों ने पटाखे फोड़ने के लिए चांदनी चौक से खरीदा था। 24 सितंबर को, दक्षिण जिला पुलिस ने एक 19 साल के लड़के को गिरफ्तार किया, जिसने अंबेडकर नगर में स्थानीय अपराधियों से प्रेरित होकर कथित तौर पर पिस्तौल दिखाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था।

भागवत कथा पंडाल से 400 साल पुरानी श्रीमद भगवद् गीता चोरी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली से सटे गाजियाबाद में एक भागवत कथा पंडाल से 400 साल पुरानी भगवद् गीता चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद के प्रताप विहार ई-ब्लॉक के रामलीला मैदान में चल रही भागवत कथा से अज्ञात चोर द्वारा 400 साल पुरानी भगवद् गीता चोरी कर ली गई। इस घटना से श्रद्धालुओं में रोष है। विजयनगर थाना पुलिस अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच में जुट गई है। श्रद्धालुओं ने 24 घंटे में वारदात का पर्दाफाश नहीं होने पर विरोध-प्रदर्शन की चेतावनी दी है। भारतीय सनातन सेवा संस्थान द्वारा प्रताप विहार में 15 दिसंबर से भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। हरिद्वार स्थित मोहन गोकुलधाम के पीठाधीश्वर कृष्ण संजय यहां पर कथा कह रहे हैं। उनके पास कथित तौर पर एक 400 साल पुरानी भगवद् गीता थी, जिसे पढ़कर वह श्रद्धालुओं को कथा सुनाते थे। गुरुवार को भागवत कथा का पांचवां दिन था। कथा खत्म होने पर रात को सभी लोग अपने घर चले गए। भगवद् गीता व्यास पीठ पर रखी थी, यहां पर सुरक्षा के मद्देनजर दो लोगों की ड्यूटी लगाई गई थी। रात को वह दोनों भी सो गए। छठे दिन शुक्रवार सुबह 10 बजे जब कथा व्यास कृष्ण संजय वहां पहुंचे तो व्यास पीठ पर भगवद्गीता नहीं मिली। उन्होंने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन भगवद् गीता का कुछ पता नहीं चला।

इसके बाद भागवत कथा पंडाल से भगवद् गीता चोरी होने की सूचना पर पंडाल में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। भारतीय सनातन सेवा संस्थान के अध्यक्ष पंडित राजेश शर्मा ने बताया कि पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि पुलिस की एक टीम को चोरी की वारदात का पर्दाफाश करने के लिए लगाया गया है।

अवैध बांग्लादेशियों के बच्चों की पहचान कीजिए

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में अवैध बांग्लादेशियों की पहचान करने का काम तेज होने लगा है। दिल्ली के उपराज्यपाल ने पिछले हफ्ते दिल्ली पुलिस को इनकी पहचान का जिम्मा सौंपा था। अब दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने एक आदेश जारी किया है, जिसमें स्कूलों को अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के बच्चों का सत्यापन और पहचान करने के साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि ऐसे व्यक्तियों को कोई जन्म प्रमाण पत्र जारी न किया जाए। यह निर्देश 12 दिसंबर 2024 को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के प्रमुख सचिव गृह की अध्यक्षता में हुई एक वर्चुअल बैठक के बाद जारी किया गया। बैठक में एमसीडी के एडिशनल कमिश्नर (मुख्यालय) और डिप्टी

कमिश्नर (मुख्यालय) ने भाग लिया। शिक्षा विभाग को नगर निगम के स्कूलों में एडमिशन प्रोसेस के दौरान अवैध बांग्लादेशी प्रवासी बच्चों की पहचान करने के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा, स्कूलों में पहले से पढ़ रहे ऐसे बच्चों की पहचान करने के लिए सत्यापन अभियान चलाया जाएगा। सभी जोन को अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए जरूरी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। आदेश में जन स्वास्थ्य विभाग को जन्म पंजीकरण और जन्म प्रमाण पत्र जारी करते समय एहतियातन कदम अपनाने के लिए भी कहा गया है। विभाग को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है कि अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को कोई जन्म प्रमाण पत्र जारी न किया जाए और ऐसे व्यक्तियों को पहले जारी किए गए किसी भी जन्म प्रमाण पत्र की पहचान करने के लिए सत्यापन अभियान चलाया जाएगा। इस आदेश पर एमसीडी के डिप्टी कमिश्नर (मुख्यालय) बी.पी. भारद्वाज के हस्ताक्षर हैं। कार्रवाई की रिपोर्ट हर शुक्रवार को दोपहर 3:30 बजे डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय में जमा कराए जाने की उम्मीद है।

दिल्ली चुनाव में पूर्व बस मार्शल भी दिखाएंगे दम, जनहित दल ने 5 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विधानसभा चुनाव बेहद दिलचस्प होने जा रहा है। कांग्रेस-भाजपा और आम आदमी पार्टी के अलावा इस बार पूर्व बस मार्शल भी जनहित दल पार्टी के बैनर तले दिल्ली के सियासी समर में कूद गए हैं। दिल्ली डेमोक्रेटिक एलायंस की तरफ से शुक्रवार शाम दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए छह प्रत्याशियों के नाम की घोषणा आज की गई है। दिल्ली डेमोक्रेटिक एलायंस में जनता पार्टी के साथ जनहित दल और दिल्ली जनता पार्टी शामिल हैं। आदित्य राय, बुराड़ी विधानसभा सीट से अनिल कुमार, तिमारपुर विधानसभा सीट से राकेश रंजन श्रीवास्तव, मुस्तफाबाद विधानसभा सीट से ललित भाटी, मुंडका विधानसभा सीट से प्रवीण कुमार लकड़ा और नरेला विधानसभा सीट से श्रीमती श्यामो देवी को उम्मीदवार बनाया है। तिमारपुर विधानसभा को छोड़कर इन सभी छह प्रत्याशियों में से शेष सभी 5 सिविल डिफेंस वॉलंटियर हैं। यह पांचों प्रत्याशी उन दस हजार सिविल डिफेंस कर्मियों में से चुने गए हैं जो आज पिछले चौदह महीनों से अपनी नौकरी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पार्टी की तरफ से कहा गया है कि हमने इन सिविल डिफेंस कर्मियों के संघर्ष को सदा सहयोग किया है और कोर्ट में इनके हक के लिए लड़ रहे हैं। हमारे साथी अंशुमन जोशी (अध्यक्ष-जनहित दल) वाले काफी समय से इस संघर्ष के साक्षी और सहयोगी हैं। दिल्ली विधानसभा के लिए फरवरी 2025 में चुनाव होने हैं। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी 2025 तक है। दिल्ली में अभी तक दिल्ली में चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन सियासी दलों की चुनावी तैयारियां चरम पर हैं।

सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने सबसे पहले दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है।

जब संकट में थी अटल सरकार, ओपी चौटाला के एक ऐलान ने मुरझाए चेहरों पर बिखेर दी थी मुस्कान

नई दिल्ली, एजेंसी।
बात 1999 की है। अटल बिहारी वाजपेयी दूसरी बार प्रधानमंत्री बने थे। उनकी सरकार समता (नीतीश कुमार की समता पार्टी), ममता (ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस) और जयललिता के सहयोग और बैसाखी पर चल रही थी। अहम मंत्रालय और अपने खिलाफ आपराधिक केस वापस लेने और तमिलनाडु की करुणानिधि सरकार को बर्खास्त करने के लिए तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता अटल सरकार पर लगातार दबाव बना रही थी और जब ऐसा नहीं हुआ तो नाराज जयललिता की पार्टी के सभी मंत्रियों ने 6 अप्रैल, 1999 को पीएम वाजपेयी को अपने इस्तीफे भेज दिए। दो दिनों बाद प्रधानमंत्री ने उन इस्तीफों को राष्ट्रपति के पास भेज दिया।

कुछ दिनों बाद जब जयललिता दिल्ली पहुंची तो राजधानी में सियासी तापमान चढ़ गया। अगले कुछ दिनों तक दिल्ली में रहने के बाद उन्होंने 11 अप्रैल 1999 को राष्ट्रपति के आर नारायणन से मिलकर उन्हें अटल सरकार से समर्थन वापसी की चिट्ठी सौंप दी। 1998 में बनी अटल बिहारी वाजपेयी की एनडीए सरकार 13 महीने में ही अल्पमत में आ गई। उसे अब लोकसभा में बहुमत साबित करना था क्योंकि राष्ट्रपति ने उन्हें ऐसा करने को कह दिया था।

अप्रैल के पहले हफ्ते में ही प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और उनके साथियों के अहसास हो चुका था कि जयललिता समर्थन वापस लेने जा रही हैं। जब एआईएडीएमकेके मंत्रियों ने इस्तीफा दिया तो

उसके अगले ही दिन उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने अपने खास दूत और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री मदन लाल खुराना को हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला के पास भेजा था और उनसे ये मदद मांगी थी कि लोकसभा में विश्वास मत परीक्षण के दौरान वह सरकार का समर्थन करें।

चौटाला उस वक्त जिंद में थे। खुराना ने वहीं जाकर उनसे मुलाकात की और आडवाणी के मदद की दरकार का संदेशा दिया। सत्ता के माहिर खिलाड़ी चौटाला ने तब खुराना को कोई आश्वासन नहीं दिया। सिर्फ इतना कहा कि पार्टी नेताओं से विचार-विमर्श कर इस बारे में जानकारी देंगे। उस वक्त चौटाला के पास चार सांसद थे। 17 अप्रैल को लोकसभा में विश्वास मत परीक्षण था। उसके एक दिन पहले 16 अप्रैल 1999 को जब तरबूज का जूस पीते हुए ओमप्रकाश चौटाला ने घोषणा की थी कि वह राष्ट्रीय हित को देखते हुए वाजपेयी सरकार को दोबारा समर्थन देंगे तो सरकार के खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई थी। भाजपा के मुरझाए चेहरों पर मुस्कान बिखर गई थी, क्योंकि भाजपा ने बहुमत का जुगाड़ करीब-करीब कर लिया था। हालांकि, अगले दिन जब लोकसभा में बहुमत परीक्षण होने लगा, तभी लोकसभा अध्यक्ष की तरफ से एक पर्ची लोकसभा के महासचिव एस गोपालन की तरफ बढ़ाई गई। गोपालन ने उसे पढ़कर टाइप करने के लिए भेज दिया और जब वह कागज छपकर आया तो उसमें लोकसभा अध्यक्ष की रूलिंग थी।